बुधवार
18 अक्टूबर 2023

पृष्ठ 4

शाम को 5.7 बजे के बीच में कर लें ये काम ...फिर देखिए वजन कैसे गिरता है

पृष्ठ 5

टाइगर 3 में खतरनाक एक्शन करेंगी कैटरीना दिखेगा धाकड़ अवतार

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 248
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दूनवैली मेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आज का विचार

दुख और वेदना के अथाह सागर वाले इस संसार में प्रेम की अत्यधिक आवश्यकता है।
–डॉ. रामकुमार वर्मा

अबूधाबी के मन्दिर में धामी ने ईंट रखकर की कारसेवा

हिन्दू मन्दिर के निर्माण में लगे सभी संयोजनकर्ताओं और निर्माणकर्ताओं का आभार जताया

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यूएई दौरे के दौरान अबू धाबी में निर्माणधीन हिन्दू मन्दिर में ईंट रखकर कारसेवा की।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यूएई दौरे के दौरान अबू धाबी में निर्माणाधीन बीपीएस हिन्दू मन्दिर में ईंटे रखकर कारसेवा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि अबू धाबी में यह अदभुत हिन्दू मन्दिर बन रहा है। यहां पर हिन्दू धर्म को स्थापित करने और मन्दिर का निर्माण का जो कार्य चल रहा है, यह हम सबके लिए गौरव के क्षण हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से इस मन्दिर का कार्य हो रहा है। उनके नेतृत्व में भारत को विश्व के अन्दर मान-सम्मान और अलग पहचान मिल रही है। मुख्यमंत्री ने इस भव्य हिन्दू मन्दिर के निर्माण के लिए लगे सभी संयोजनकर्ताओं और

निर्माणकर्ताओं का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह हिन्दू मन्दिर सांस्कृतिक विरासत, मूल्यों, सद्भाव और हिन्दू परंपराओं को बढ़ावा देने का कार्य भी करेगा।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री वर्तमान में इन्वेस्टर समिट के लिए दुबई में निवेशको से करार के लिए दौरे पर हैं। गत दिवस उन्होंने वहां पर 11925 करोड के निवेश का करार किया था वही अभी भी कई समूहों के साथ उनकी बैठक होनी है। मुख्यमंत्री न` सभी उद्योग घरानों को आगामी आठ व नौ दिसम्बर को दून में होने वाले समिट का निमंत्रण दिया है।

बदमाशों ने पूर्व बीएसएनएल अधिकारी के यहां चलायी गोली

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात बदमाशों ने सेवानिवृत्त बीएसएनएल अधिकारी के यहां गोली चलायी। लेकिन किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मूलचंद एन्क्लेव निवासी संजय विश्नोई ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 16 अक्टूबर 2023 को वह अपने घर में अपने बेडरूम में अपनी पत्नी व बच्चों के साथ बैठा था, कि अचानक रात्रि पौने नौ बजे के लगभग कुछ खटके की तेज आवाज आई। उसने अपने पुत्र व पुत्री को बाहर देखकर आने को बोला उसके पुत्र व पुत्री बाहर कमरे व बरामदे में देखकर आये। उन्होंने बताया कि बाहर कुछ नहीं है। उसके पश्चात उसके पुत्र व पुत्री अपने बेडरूम में गये जो कि उनके बेडरूम के साथ ही लगा हुआ है। वहां पर उन्होंने देखा की खिड़की का कांच टूटा हुआ है एवं उसके पुत्र के पांव के नीचे कोई चीज लगी। उसने उठा कर देखा तो वह तांबे का टुकड़ा था। उसके पुत्र ने आवाज देकर उन्हें बुलाया तो उसने देखा कि वह बुलेट थी व सामने खिड़की के शीशे में छेद था। उसकी खिडकी में तफन ग्लास लगा हुआ था। वहां कांच बिखरा हुआ था। गोली चलने की सूचना मिलते ही सीओ सदन पंकज गैरोला मौके पर पहुंचे और उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण कर पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने जरूरी दिशा निर्देश दिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कॉलेजियम ने दो अधिवक्ताओं को न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की

नैनीताल। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली कॉलेजियम ने उत्तराखंड उच्च न्यायालय के दो अधिवक्ताओं को न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की है।

कॉलेजियम की ओर से केंद्र सरकार को सिफारिश भेजी गई है। जिन अधिवक्ताओं को न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की गई है, उनके नाम अधिवक्ता सिद्धार्थ साह और अधिवक्ता आलोक मेहरा हैं। दोनों अधिवक्ता नैनीताल के निवासी हैं और उच्च न्यायालय में लंबे समय से वकालत कर रहे हैं। अधिवक्ता साह के पिता महेश लाल साह अधिवक्ता हैं। साथ ही श्री मेहरा के पिता भी अधिवक्ता रहे हैं। शीर्ष अदालत के कॉलेजियम में मुख्य न्यायाधीश के अलावा न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना शामिल हैं। उच्चतम न्यायालय के इस कदम से उत्तराखंड उच्च न्यायालय के अधिवक्ताओं में खुशी का माहौल है।

भारी मात्रा में अफीम सहित अंतराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। नशा तस्करी पर बड़ी कार्यवाही करते हुए एसटीएफ की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा एक अंर्तराज्यीय नशा तस्कर को भारी मात्रा में अफीम सहित गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी वर्षो से उत्तराखंड में अफीम की सप्लाई कर रहा था। जबकि बरामद अफीम की कीमत लगभग 22 लाख रूपये बतायी जा रही है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया कि बीते रोज एसटीएफ की ए.एन.टी.एफ टीम(एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स) को सूचना मिली कि पौड़ी गढ़वाल के कालागढ़ क्षेत्र में बरेली से कोई नशा तस्कर भारी मात्रा में अफीम की डिलीवरी हेतु आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए ए.एन.टी.एफ. टीम द्वारा क्षेत्र में चैकिंग

अभियान चला दिया गया। इस दौरान टीम को हनुमान तिराहे के पास एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। टीम द्वारा जब उसे रोकने का प्रयास किया गया तो वह भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान टीम द्वारा उसके पास से 2 किलो 30 ग्राम अफीम बरामद की गयी। पूछताछ में उसने अपना नाम मलकीत सिंह पुत्र रंगा सिंह निवासी भोगपुर थाना वढापुर तहसील नगीना जिला बिजनौर उत्तर प्रदेश बताया। पता चला कि गिरफ्तार आरोपी पिछले कई सालों से उत्तराखंड में अफीम की सप्लाई कर रहा था साथ ही बताया कि वह यह अफीम जनपद बरेली उत्तर प्रदेश से लेकर आ रहा हैं। ए.एन.टी.एफ टीम द्वारा उसके खिलाफ थाना कालागढ़ में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज करा कर उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। बरामद अफीम की कीमत लगभग 22 लाख रूपये आंकी गयी है।

दून वैली मेल

संपादकीय

यह बदलाव अनिवार्य है

सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्य संविधान पीठ ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से मना कर दिया गया अदालत ने यह कहा कि सामाजिक व्यवस्था से जुड़े इस मामले पर संसद को फैसला करना चाहिए, गेंद केंद्र सरकार के पाले में डाल दी गई है। केंद्र सरकार को कोर्ट ने अनुदेशित किया है कि वह एक समिति का गठन करें जो समलैंगिक जोड़ों के सामाजिक अधिकारों और मान्यताओं पर विचार करें। समाज का एक अपना अलग शास्त्र होता है इसमें कोई दो राय नहीं है कि समाज को जिन दो हिस्सों में बांट कर देखा जाता है वह स्त्री और पुरुष ही होते हैं जिनके बीच विवाह और लैंगिक संबंध तथा संतानोंपत्ती की प्रक्रिया गतिमान रहती है। लेकिन जेंडर को हम वर्तमान दौर में केवल स्त्री और पुरुष में बांटने से आगे बढ़ चुके हैं। स्त्री और पुरुष के बीच ही यौन संबंध या उनके प्रति रुझान नहीं हो सकता है बल्कि इसके अतिरिक्त भी हो सकता है यह बात अब तक स्पष्ट हो चुकी है। यह बात अलग है कि हमारा समाज और पारिवारिक व्यवस्था इन समलैंगिक संबंधों को स्वीकार करने को तैयार नहीं है लेकिन इस सच को कतई भी नकारा नहीं जा सकता है कि समलैंगिक संबंध जो अब पर्दे से बाहर आने को बेचैन दिखाई दे रहे हैं वह लंबे समय से पर्दे के पीछे चलन में मौजूद रहे हैं। समाज की किसी भी स्थिति को न तो बहुत लंबे समय तक छुपा कर रखा जा सकता है और न दबाकर। इसका ताजा उदाहरण है समलैंगिक जोड़ों का अपने कानूनी और सामाजिक अधिकारों की प्राप्ति के लिए सड़कों पर उतरकर आंदोलन करना और अब देश की सर्वोच्च अदालत का दरवाजा खटखटाना। समलैंगिक संबंधों के कारण समाज की अपेक्षा अब उन्हें बर्दाश्त नहीं है यही कारण है कि वह पूरे समाज के सामने अपने रिश्ते को उजागर करके अपने सामाजिक व संवैधानिक अधिकारों के साथ जीने की लड़ाई को लड़ने को तैयार हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 2018 के एक अदालत के फैसले ने समलैंगिक संबंधों को अपराध की श्रेणी से बाहर लाया जा चुका है। ऐसी स्थिति में अब समलैंगिक संबंधों को कानूनी मान्यता दिए जाने की यह लड़ाई अब काफी आगे निकल चुकी है। भले ही सुप्रीम कोर्ट ने अपने ताजा फैसले में समलैंगिक संबंधों को वैवाहिक मान्यता देने से इनकार कर दिया गया हो लेकिन इससे वह अध्याय समाप्त नहीं हो सकता है। दूसरी तरफ हमारे भारतीय समाज की संरचना के मद्देनजर समाज या परिवार द्वारा इन समलैंगिक संबंधों को स्वीकार्यता मिलना भी आसान बात नहीं है। इस तरह के संबंधों का चलन भले ही कितने भी लंबे समय से रहा हो लेकिन इसे अनैतिक और हेय दृष्टि से देखा जाता रहा है और देखा जाता रहेगा। समय के साथ परिवर्तन एक अनिवार्य शर्त भी होती है। आज हम और हमारा देश आर्थिक और सामाजिक तथा वैज्ञानिक तरक्की के साथ जैसे बदल रहा है सामाजिक संरचना में भी बड़ा बदलाव आ रहा है। एक समय में जहां विवाह पारिवारिक सहमति के साथ संपन्न होते थे वहां अब लव मैरिज, कोर्ट मैरिज और उससे भी आगे लिव इन रिलेशनशिप के दौर में हम तेजी से प्रवेश कर चुके हैं। क्या हमारे समाज में कभी कोई यह स्वीकार करने को तैयार था कि लड़के लड़कियां अपनी शादी पूर्व किसी के साथ विवाहोत्तर तरीके से एक साथ रह सकते हैं लेकिन समय के साथ सब कुछ बदल रहा है, बदलाव को रोका भी नहीं जा सकता है। लेकिन बदलाव अगर सकारात्मक हो तभी वह किसी समाज और राष्ट्र के लिए कल्याणकारी हो सकता है। अगर बदलाव हमें एक अशिष्ट और असभ्यता की ओर ले जाने वाला है तो फिर उसे अनिष्ट से कोई नहीं बचा सकता है न कोई अदालत और न संसद।

प्रप्र क्षयाय पन्यसे जनाय जुष्टो अद्रुहे।
वीत्यर्ष चनिष्ठया

(ऋग्वेद ९-९-२)

हे परमेश्वर ! आप सभी लोगों से प्रेम करते हैं। आप उस मनुष्य के हृदय में प्रकट होते हैं जो ईर्ष्या और शत्रुता के भाव से दूर रहता है। ऐसे मनुष्य के प्रयासों को आप सफल करते हैं और जीवन में आनंद प्रदान करते हैं।

O God ! You love everyone- You manifest in the heart of that person who remains away from the thoughts of jealousy and enmity- You make the efforts of such a person successful and provide happiness in his life- (Rig Ved 9&9&2)

स्वच्छता को दिनचर्या में करें शामिल : डीजी पीआईबी

हमारे संवाददाता

देहरादून। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार उसके अधीन आने वाले आकाशवाणी, दूरदर्शन, पत्र सूचना कार्यालय और केंद्रीय संचार ब्यूरो में दिनांक 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक स्वच्छता अभियान 3.0 चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत कार्यालयों व उसके आसपास की सफाई की जा रही है। साथ ही इन कार्यालय परिसरों के अलावा, आसपास के स्थानों से जंगली घास-फूस एवं झाड़ियों की कटाई एवं कूड़ा-करकट की सफाई की जा रही है।

स्वच्छता अभियान 3.0 के अंतर्गत इन कार्यालयों में पुरानी फाइल्स के अलावा ई फाइल्स का भी निस्तारण किया जा रहा है। लगभग महीने भर चलने वाले इस अभियान के दौरान अधिकारीयों और कर्मचारियों ने स्वच्छता शपथ भी ली, जिसके अंतर्गत सफाई अभियान को अपने दिनचर्या में शामिल करने, स्वच्छता अभियान में आसपास के लोगों को जोड़ने की शपथ ली गई।

इस कड़ी में देहरादून में मंत्रालय के अधीन आने वाले इन विभागों के स्वच्छता सर्वेक्षण हेतु भारतीय सूचना सेवा के वरिष्ठ अधिकारी योगेश कुमार बावेजा, महानिदेशक, पत्र सूचना कार्यालय नई दिल्ली ने 17-18 अक्टूबर को दो दिवसीय दौरा किया।

इस दौरान आकाशवाणी, दूरदर्शन, पत्र सूचना कार्यालय और केंद्रीय संचार ब्यूरो में उनके द्वारा स्वच्छता कार्यों की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया गया एवं कुछ विशिष्ट कार्यों हेतु कार्यालय को निर्देशित किया। स्वच्छता कार्यक्रम को पूरे साल भर चलाने का सुझाव भी दिया गया। इस दौरान उत्तराखंड पीआईबी के अपर महानिदेशक विजय कुमार, आकाशवाणी देहरादून के उत्तराखंड क्लस्टर प्रमुख अशोक सचान सहित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

वाहन की चपेट में आकर बाईक सवार घायल

संवाददाता

देहरादून। फोर्स ट्रेवलर की चपेट में आकर बाईक सवार गम्भीर रूप से घायल हो गया। जिसको चिकित्सालय में भर्ती कराया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थानी गांव निवासी ललित कुमार ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज लगभग सुबह साढे आठ बजे उसका पुत्र गगनदीप वादवा घर से अपनी डयूटी पर मैक्स अस्पताल जा रहा था जब वह बोडी मंदिर के पास पहुचा तभी अचानक सामने से एक फोर्स ट्रेवलर तेजी व लापरवाही से सामने से ओवरटेक करता हुआ आया ओर उसके पुत्र की मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी उसके बाद घटनास्थल पर उसका पुत्र घायल अवस्था में पड़ा रहा जिससे फोर्स के ड्राईवर ने उससे बदतमीजी व अभद्र भाषा में बात करी तथा समय पर अस्पताल नही लेकर गया। उसके पुत्र के दाहिने पैर व शरीर के अन्य हिस्सो में गंभीर चोटे आई है। दाहिने पैर के पैर की हड्डिया चूर-चूर हो गई है। काफी देर बाद किसी अन्य व्यक्ति ने अपनी कार से उसके पुत्र को मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसका ईलाज चल रहा है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मातृ-शक्ति दिवस के रूप हुआ भव्य रामलीला में सीता स्वयंवर का मंचन

देहरादून(संवाददाता)। मातृ-शक्ति दिवस को समर्पित कर रामलीला में सीता स्वयंवर व राम सीता विवाह का मंचन किया गया।

आज यहां श्री रामकृष्ण लीला समिति टिहरी 1952, देहरादून द्वारा गढ़वाल की ऐतिहासिक राजधानी पुरानी टिहरी की 1952 से होने वाली प्राचीन रामलीला को टिहरी के जलमग्न होने के बाद देहरादून में 21 वर्षों बाद पुर्नजीवित करने का संकल्प लिया है।

इस हेतु देहरादून के टिहरी-नगर के आजाद मैदान, अजबपुर कलां, दून यूनिवर्सिटी रोड, देहरादून में 11 दिन की भव्य रामलीला का आयोजन शारदीय नवरात्रों में 15 से 25 अक्टूबर 2023 तक किया जा रहा है। श्री रामकृष्ण लीला समिति टिहरी 1952, देहरादून के अध्यक्ष अभिनव थापर ने कहा कि नवरात्रि में मातृ-शक्ति के योगदान को समर्पित करने हेतु आज तृतीय दिवस- सीता स्वयंवर व राम विवाह का दिन है जिसमें माता सीता का मुख्य किरदार है, अतः रामलीला में आज के दिवस को मातृ-शक्ति दिवस के रूप में समर्पित कर रामलीला मंचन किया गया। उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं को रामलीला समिति ने सम्मानित किया। रामलीला- तृतीय दिवस में आज सीता-स्वयंवर, धनुष खंडन व परशुराम- लक्ष्मण संवाद का शानदार मंचन रहा। सीता स्वयंवर में विभिन्न राजाओं ने हास्य अभिनय से माहौल खुशनुमा कर दिया। परशुराम ख्र लक्ष्मण संवाद में किरदारों ने पौराणिक चौपाई व गानों से दर्शकों को मंत्रख्रमुग्ध कर दिया। लेजर शो में आरती का आकर्षण में दर्शकों ने आनंद लिया।

कार्यक्रम में अतिथिगणों के रूप में विधायक सविता कपूर, मधु भट्ट, संगीता गुप्ता, कंचन गुनसोला, डॉ संजना नौटियाल, कुणाल मल्ला, आकांक्षा सुखीजा आदि का सम्मान किया गया।

अयोध्या की रामलीला में बॉलीवुड के साथ भोजपुरी का तड़का

आयोध्या में आज से शुरू हो रही रामलीला में इस बार बॉलीवुड के साथ भोजपुरी सितारों का तडका लगेगा। ऐसा प्रतीत होगा कि यह रामलीला नहीं, बल्कि रामायण आधारित धारावाहिक देख रहे हैं। इस बार रामलीला के मंच पर रामायण के किरदार को 55 से अधिक फिल्मी कलाकार विभिन्न पात्र को निभाएंगे।

इस संबंध में रामलीला के अध्यक्ष सुभाष मालिक (बाबी) और महासचिव शुभम मलिक ने बताया कि इस वर्ष रामलीला आयोजन का यह चौथा संस्करण होगा। उन्होंने बताया कि अयोध्या की रामलीला 14 से 24 अक्टूबर शाम 7 बजे से रात 10 बजे तक तक अयोध्या में राम कथा पार्क में आयोजित होगा। शुभम ने बताया कि इस साल अयोध्या की रामलीला में बॉलीवुड, भोजपुरी और टीवी धारावाहिक में काम करने वाले 55 से अधिक कलाकार अभिनय कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि पूनम ढिल्लों, भाग्यश्री, अमिता नागिरया, शीबा, रितु शिवपुरी, ममता सिंह, मांगिशा, पायल गोगा कपूर, प्रतिभा, गजेंद्र चौहान (राजा जनक), रजा मुराद (अहिरावण), राकेश बेदी (विभीषण), गिरिजा शंकर (रावण), अनिल धवन (इंद्रदेव), रवि किशन जी (केवट), वरुण सागर जी (हनुमान), सुनील पाल (नारद मुनि), राहुल भूचर (राम जी), शिवा ,आकाशदीप (कुंभकरण), रूबी चौहान (मेघनाथ), बनवारी लाल झोल (परशुराम), मनोज बक्शी (राजा दशरथ) गुलशन पांडे, अवतार गिल, सागर, चंदन काम कर रहे हैं। इसके अलावा रावण दहन वाले दिन भोजपुरी के प्रसिद्ध कलाकार खेसारी लाल यादव रावण का अभिनय करेंगे।

सुभाष मालिक ने बताया कि अयोध्या की रामलीला की एंट्री फ्री है। इसकी कोई भी एंट्री फीस नहीं है। अयोध्या की रामलीला विश्व की सबसे बड़ी रामलीला राम भक्तों ने बताया है अयोध्या की रामलीला का उद्देश्य यह है कि करोड़ों राम भक्त जो घर में बैठे हैं वह प्रभु राम की रामलीला अपने घरों में बैठकर देख सके।

सुभाष ने बताया कि अयोध्या की रामलीला का हर साल नया रूप देखने को मिले। 2020 मे 16 करोड़ से ज्यादा राम भक्तों ने देखा था। 2021 मे 22 करोड़ से ज्यादा राम भक्तों ने देखा था और 2022 में 25 करोड़ से ज्यादा अयोध्या की रामलीला को देखा था। इस साल अयोध्या की रामलीला का चौथा संस्करण है।

इस बार प्रयास है कि 50 करोड़ लोग अयोध्या की रामलीला से जुड़ सकें अयोध्या की रामलीला यूट्यूब चौनल, दूरदर्शन पर लाइव दिखाई जाएगी। इसके अलावा कई सैटेलाइट टीवी चौनल पर भी इसका प्रसारण होगा। (आरएनएस)

अशांति के बावजूद कश्मीर भारत का हिस्सा बना रहेगा: दुलत

पूर्व रॉ प्रमुख और पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य के पूर्व सलाहकार ए.एस. दुलत ने कहा है कि घाटी में अशांति के बावजूद कश्मीर भारत का हिस्सा बना रहेगा। अलगाववादियों और हुर्रियत नेताओं के साथ अपनी बैठकों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि कश्मीर में सामान्य स्थिति लाने का एकमात्र रास्ता बातचीत, धैर्य और सहानुभूति है।

घाटी में अनुच्छेद 370 को खत्म करने का विरोध करने वाले दुलत का मानना है कि हर कोई 'बातचीत' करता है। और हर हितधारक के साथ बात करने में क्या हर्ज है? कोई भी स्थायी दुश्मन नहीं है, चाहे वह पाकिस्तान हो या चीन। वाजपेयी के कार्यकाल के दौरान, कश्मीरी अलगाववादियों के साथ कई दौर की बैठकें हुईं। इतने सारे लोग मेरे घर आते थे। उन्होंने कहा कि इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद भी उन लोगों से बात करती है, जिन्हें वे अपना दुश्मन कहते हैं। मैं उनके प्रमुखों में से एक के काफी करीब था, और उन्होंने स्वीकार किया कि स्थायी शांति केवल मेज पर प्राप्त की जा सकती है, युद्ध के मैदान पर नहीं।खुशवंत सिंह साहित्य महोत्सव के पहले दिन बोलते हुए दुलत ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री मोदी अपनी यात्रा के दौरान कश्मीरियों के लिए राज्य का दर्जा देने की घोषणा करते हैं, तो स्थानीय लोग उन्हें माला पहनाएंगे। वह लाल चौक पर खुली जीप में हो सकते हैं और अगर उन्होंने ऐसा किया तो सुरक्षा को कोई खतरा नहीं होगा। हर स्थानीय व्यक्ति उनके इस कदम का स्वागत करेगा।

दुलत, जिन्होंने अपनी नवीनतम पुस्तक 'ए लाइफ इन द शैडोज: ए मेमॉयर' (हार्पर कॉलिन्स पब्लिशर्स) में वर्तमान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल के बारे में विस्तार से लिखा है, का कहना है कि डोभाल ने उनके बारे में लिखने से बहुत पहले ही उनसे बात करना बंद कर दिया था। .अनुच्छेद 370 हटाए जाने से ठीक पहले, उन्होंने मुझसे फोन पर पूछा कि कश्मीर से कैसे निपटा जाए। मैंने उनसे कहा कि हमें बात करने की जरूरत है। उनका जवाब था: 'बहुत बातचीत हो चुकी है।' उनका दृष्टिकोण बहुत 'मस्कुलर' है। लेकिन मैं यह कह दूं कि उन्हें सत्ता के करीब रहना पसंद है। अगर कल राहुल गांधी पीएम बनते हैं, तो उन्हें उनके साथ काम करने में कोई आपत्ति नहीं होगी।'(आरएनएस)

शाम को 5-7 बजे के बीच में कर लें ये काम ...फिर देखिए वजन कैसे गिरता है

आजकल मोटापा एक आम समस्या बनता जा रहा है. अनियमित भोजन और व्यायाम की कमी के कारण लोगों का वजन बढने लगा है. वजन कम करने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय अपनाते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि बस अपनी डेली के रूटीन में थोड़ा सा बदलाव करके भी आप अपना वजन कम कर सकते हैं? वो भी बिना किसी खास कड़ी डाइटिंग या भारी व्यायाम के. आइए जानते हैं कि शाम को 5-7 बजे के बीच में अगर आप यह दो काम करते हैं तो तेजी से घट सकता है।

5 से 7 बजे डिनर करनें

वजन कम के लिए रात का खाना सही समय पर खाना बहुत जरूरी होता है. शाम के 5 से 7 बजे के बीच डिनर कर लेना चाहिए.इससे वजन कम करने में मदद मिलती है.

डिनर इस समय करने के कई फायदे मिलते हैं. रात में जल्दी भोजन करने से शरीर को भोजन से पूरा लाभ उठाने में मदद मिलती है.

इससे भोजन पचाने की प्रक्रिया यानी मेटाबोलिज्म बढ़ जाता है. जिससे की भोजन का पूरा पोषण शरीर को मिल पाता है और ऊर्जा भी अच्छी प्राप्त होती है. साथ ही यह अतिरिक्त कैलोरी को भी जलाने में मदद करता है जोकि वजन कम करने में बहुत फायदेमंद है।

वजन कम करने में करता है मदद

बहुत देर से रात में खाना खाने के बाद सो जाने से पाचन तंत्र को भोजन को पचाने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाता. इससे भोजन सही ढंग से पच नहीं पाता और पेट संबंधी समस्याएं जैसे पेट दर्द, अपच, गैस और पेट फूलना हो सकता है.अगर शाम में ही जल्दी खा लिया जाए, तो खाने के बाद काफी समय बचता है, जिसमें पाचन तंत्र खाने का अच्छे से पाचन कर पाता है. इसलिए शाम में जल्दी खाना खा लेना पाचन और पेट संबंधी स्वास्थ्य के लिए बेहतर होता है. और इससे वजन भी तेजी से कम होगा।

5 से 7 के बीच करें एक्सरसाइज

शाम को वर्कआउट करने के कई अपने फायदे होते हैं, जो लोग दिन में काम करते हैं उनके लिए शाम का वर्कआउट करने का फायदा होता है.

रात में वर्कआउट करने के कई फायदे होते हैं. इवनिंग के समय वर्कआउट करने से शरीर को ठंडक भी मिलती है और थकान होने की वजह से नींद भी अच?छी आती है.

इस समय आपको वर्कआउट करने के लिए वार्म-अप की जरूरत नहीं होती, क?योंकि शरीर पहले से ही मूवमेंट में आने की वजह से एक्टिव रहता है।

ज्यादा चाय पीने के हैं शौकीन तो जान लें नुकसान...

अगर आप चाय के शौकीन व्यक्ति हैं तो सुबह उठने के बाद आपके दिमाग में सबसे पहली चीज यही आती होगी. सुबह न्यूजपेपर में छपी खबरों के साथ न जाने कितने लोग चाय की चुस्कियां लेना पसंद करते हैं. कुछ लोग तो ऐसे भी होते हैं जिनसे जितनी बार भी चाय पूछी जाए, उतनी बार बस हां का जवाब ही मिलता है. मगर क्या आप जानते हैं कि ज्यादा चाय पीना आपकी सेहत के लिए कितना नुकसानदेह साबित हो सकता है?

अगर आप अपने स्वास्थ्य की परवाह किए बगैर रोजाना 5-6 कप या इससे ज्यादा चाय पीते हैं तो आप अपने शरीर को बीमारियों को तोहफा दे रहे हैं. अब सवाल उठता है कि रोजाना कितनी कप चाय पीनी चाहिए? आइए जानते हैं इसका जवाब.

हेल्थलाइन की रिपोर्ट के मुताबिक, चाय में मौजूद कई उपचार गुणों की वजह से सदियों से इसका पारंपरिक चिकित्सा में इस्तेमाल किया जाता रहा है. हालांकि इसके ज्यादा सेवन से आपको कई बीमारियां लग सकती हैं, जैसे डिहाइड्रेशन, एसिडिटी, ब्लड प्रेशर, पेट से जुड़ी समस्याएं, सीने में जलन, आंतों पर प्रभाव आदि. ज्यादा चाय पीने से एक स्वस्थ व्यक्ति भी गंभीर रूप से बीमार पड़ सकता है.

कैफीन का ज्यादा सेवन खतरनाक

ब्राउन यूनिवर्सिटी के मुताबिक, ग्रीन और ब्राउन टी दोनों की हर कप में 40 मिलीग्राम कैफीन होता है. इसका बहुत ज्यादा सेवन आपको कैफीन का आदी बना सकता है, जिससे आपके लिए किसी काम में ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो जाएगा. आपको बेचैनी होगी और चिड़चिड़ापन भी महसूस हो सकता है. इसके अलावा, नींद का पैटर्न भी बिगड़ सकता है।

कैफीन के थोड़े इस्तेमाल से आपको कई फायदे देखने को मिल सकते हैं, लेकिन अगर इसका ज्यादा सेवन किया जाएगा तो तमाम परेशानियां भी झेलनी पड़ सकती हैं. यह बात सच है कि चाय पीने से अलग-अलग व्यक्ति में अलग-अलग फायदे और नुकसान देखने को मिल सकते हैं, मगर जरूरत से ज्यादा चाय आपको सिर्फ नुकसान की ओर ही ले जाएगी.

कितनी कप चाय पीना सही?

यह सबसे जरूरी सवाल है कि एक दिन में कितनी चाय पीनी चाहिए कि सेहत पर कोई बात न आए. हेल्थलाइन के मुताबिक, आप रोजाना 3 से 4 कप (710ख्950 मिली) चाय पी सकते हैं. एनल्स ऑफ इंटरनल मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी के अनुसार, चाय नहीं पीने वालों के मुकाबले, जिन प्रतिभागियों ने हर दिन दो या इससे ज्यादा कप चाय पीने की सूचना दी, उनमें मृत्यु दर का खतरा 9 से 13 प्रतिशत कम देखा गया.

एक रिपोर्ट के मुताबिक यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड मेडिकल सेंटर में एक कैंसर एपिडेमियोलॉजी रिसर्चर्स जूओ फेंग झांग ने एक दिन में 2 से 3 चाय पीने की सलाह दी थी. ज्यादातर रिपोर्ट्र्स में चाय के ज्यादा सेवन को बीमारियों से जोड़ा गया है. इसलिए हेल्दी रहने के लिए आपको रोजाना सिर्फ 3-4 कप का ही सेवन करना चाहिए।

ठंड में बीमारी से कैसे करें बचाव? आजमाएं ये आसान उपाय...

उत्तर भारत में बढ़ती ठंड को देखते हुए हमें अपनी सेहत का खास ध्यान रखना जरूरी है. छोटे बच्चों, बुजुर्गों और गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों को ऐसे खराब मौसम में घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए. ऐसे मौसम में अगर कंपकंपी को हो, तो उसे नजरअंदाज न करें, जहां तक घ्ह्रो सके घर के अंदर रहें. लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने के कारण कॉमन कोल्ड, फ्लू, बहती नाक और नाक से खून आने की आशंका और भी अधिक बढ़ जाती है।

आपके शरीर का मुख्य तापमान 36.8 – 37.5 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहता है. लेकिन, अगर आप इस तापमान से ज्यादा ठंडे हो जाते हैं, तो आप हाइपोथर्मिया के शिकार हो सकते हैं. साथ ही शीतदंश से भी प्रभावित हो सकते हैं।

बढ़ती ठंड में सेहत का ध्यान रखना जरूरी है. ऐसे में जब जरूरत हो तभी घर से बाहर निकलें. अगर बाहर जा रहे हैं, तो शरीर को पूरी तरह से ढीले-आरामदेह गर्म कपड़ों से ढक लें.खासकर अपने कान, गला, नाक और हाथ-पैर को कवर कर लें. कोशिश करने कि हल्के, गर्म, ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।

घर से बाहर जाते समय मास्क का इस्तेमाल करें. इससे कीटाणुओं के साथ-साथ ठंडी हवा शरीर में नाक के जरिए नहीं जा सकेगी और आप ठंड से बचे रहेंगे।

सर्दी में तापमान कम होने के कारण बाहर जा करएक्सरसाइज करने में ठंड लग जाने का खतरा बना रहता है. ऐसे में एक्सरसाइज करना बंद नहीं करें बल्कि हर दिन घर परएक्सरसाइजकरें.एक्सरसाइज करने से शरीर में गर्मी और ऊर्जा के साथ-साथ शरीर के अंगों को सही ढंग से काम करने में मदद मिलती है।

ठंड के मौसम में बीमारी के मुख्य कारणों में से एक है साफ-सफाई की कमी. हम दिन भर में हाथों से कई काम करते हैं. ऐसा करने में उंगलियों व हथेली के गंदे और संक्रमित होने की आशंका होती है. संक्रमण करने वाले जीवाणु या विषाणु इतने छोटे होते हैं कि आंखों से दिखाई नहीं देते हैं. ऐसे में बार-बार अच्छी तरह से हाथ धोना बेहद जरुरी है।

त्वचा को साफ रखें. हर रोज नियम से नहाएं. ऐसा करने से आप जीवाणु या विषाणु के संक्रमण से बचे रहेंगे. नहाने के लिए गर्म नहीं बल्कि गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें. गर्म पानी से त्वचा और बालों को नुकसान पहुंचता है. याद रखें, नहाने के बाद सीधे बाहर नहीं निकालें बल्कि शरीर और बालों को अच्छी तरह से पोंछ कर और कम से कम गर्म कपड़े की एक परत पहन कर ही बाथरूम से निकलें. ऐसा करने पर ठंड लगने का खतरा कम हो जाता है।

सर्दी में प्यास कम लगती है इसलिए लोग कम पानी पीते हैं लेकिन ये गलत है. सर्दियों में आपको हमेशा की तरहपानी पीना चाहिए. ठंड में दिनभर गुनगुना पानी पीएं. इससे शरीर हाइड्रेट रहेगा और गले को भी आराम मिलेगा।

ठंड से बचने के लिए विटामिन सी का सेवन करें. इससे इम्यूनिटी मजबूत होती है और ठंड का असर भी कम होता है. आप डाइट में संतरा, नींबू, मौसमी और आंवला शामिल करें. साथ ही शरीर के मूल तापमान को गर्म रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में पौष्टिक वसा, ऊर्जा से भरपूर अन्य खाद्य पदार्थ शामिल करें. वसा और अन्य खाद्य पदार्थों का थर्मिक प्रभाव आपको अपना मूल तापमान बनाए रखने में मदद करेगा।

गर्म खाद्य पदार्थ पिऐं.शरीर को गर्म रखने के लिए सिर्फ चाय ही नहीं बल्कि लैमन टी, ग्रीन टी,ब्लैक टी या सूप का सेवन करें. इससे गले को आराम मिलता है और जुकाम-खांसी होने पर ये राहत देता है।

ठंड से बचने के लिए तरह -तरह के हीटर और दूसरे उपकरणों का भी प्रयोग किया जाता है. यदि आप घर के अंदर एक हीटर का उपयोग कर रहे हैं, तो सुनिश्चित करें कि आपने इसके किसी भी संभावित घातक धुएं से बचने के लिए पर्याप्त वेंटिलेशन की व्यवस्था कर रखी है।

कॉमन कोल्ड या फ्लू से संक्रमित व्यक्ति से दूरी बनाए रखें. ये एक वायरल इन्फेक्शन है, जो एक से दूसरे में तेजी से फैलता है. अगर इस बढ़ती ठंड में परिवार के किसी सदस्य को कोल्ड हो जाता है, तो कोशिश करें कि संक्रमित व्यक्ति को ठीक होने तक एक कमरे में दूसरों से दूर रहने की सलाह दें, खास कर बच्चे और बुजुर्गों से. सावधानी बरतते हुए बीमारी व्यक्ति का ध्यान रखें।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

सीने में अचानक होने वाले दर्द से चाहिए छुटकारा तो अपनाएं यह तरीका... तुरंत मिलेगा आराम

आजकल हार्ट अटैक, हार्ट स्ट्रोक आम बात हो गई. आजकल के युवा इसका शिकार हो रहे हैं. खराब लाइफस्टाइल और खानपान ने हमारी जिंदगी को इस तरह से प्रभावित किया है कि किसी भी स्वस्थ्य व्यक्ति को भी सीने में तेज दर्द की शिकायत हो सकती है. सीने में अचानक से होने वाले दर्द खतरनाक होने के साथ-साथ चिंताजनक भी हो सकते हैं. इस तरह के दर्द बैचेनी पैदा कर सकते हैं. सीने में दर्द होने के कारण सांस लेने में तकलीफ, पसीना आना, चक्कर आना भी हो सकता है. आज हम इस आर्टिकल के जरिए आपको कुछ ऐसे खास उपाय बताएंगे जिसके जरिए आप सीने में अचानक होने वाले दर्द से छुटकारा पाने के लिए यह उपाय अपनाएंगे तो आपको तुरंत राहत मिलेगी. लेकिन अगर किसी गंभीर स्थिति में आपको दर्द की शिकायत हो रही है तो आपको बिना समय गवाएं डॉक्टर के पास जाना चाहिए.

इस प्रकार के सीने में दर्द अचानक से कई कारणों की वजह से हो सकते हैं. जैसे- आओरेटिक में गड़बड़ी के कारण, पेरिकार्डिटिस साथ ही इसमें फेफड़ा शामिल है. सीने में अचानक होने वाले दर्द किसी दवा, सर्जरी के कारण भी हो सकता है. ये अचानक मौतें सीने में दर्द शुरू होने के कुछ ही मिनटों के भीतर हो जाती हैं, लेकिन ज्यादातर मरीजों में हमें कुछ समय के लिए छुट्टी मिल जाती है. बहुमूल्य घंटे, जब किसी जीवन को संभावित रूप से बचाया जा सकता है. बशर्ते सभी सही कदम उठाए जाएं.

अचानक सीने में दर्द होने पर क्या करें?

एक बार में 325 मिलीग्राम डिस्प्रिन (घुलनशील एस्पिरिन) और क्लोपिडोग्रेल की 4 गोलियाँ लें. ये एक केमिस्ट के पास उपलब्ध हैं, और दिल का दौरा पडने के जोखिम वाले प्रत्येक व्यक्ति को ये दवाएं अपने साथ रखनी चाहिए. आम धारणा के विपरीत, पूर्ण विकसित दिल के दौरे में सोर्बिट्रेट का कोई उपयोग नहीं होता है, और संभावित रूप से बीपी में गंभीर गिरावट हो सकती है. इसलिए सीने में तेज दर्द होने पर इससे बचना बेहतर है.जितनी जल्दी हो सके एम्बुलेंस को कॉल करें. ईसीजी करा लें. ईसीजी या तो सामान्य होगा, एसटी उन्नयन एमआई दिखाएगा, या उच्च जोखिम अस्थिर एनजाइना दिखाएगा. आपातकालीन कक्ष में रहते हुए, कार्डिएक ट्रोपोनिन आई, डी डिमर और एनटी प्रो बीएनपी के लिए रक्त निकाला जाएगा. ये सीने में दर्द का कारण बताएंगे.

किसी इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट को बुलाएं. यदि पूर्ण विकसित दिल का दौरा (एसटी एलिवेशन एमआई) है, तो हृदय रोग विशेषज्ञ तत्काल एंजियोप्लास्टी का सुझाव देंगे. संकोच न करें। तुरंत एंजियोप्लास्टी करने की सहमति दें. दिल का दौरा पडने पर तत्काल एंजियोप्लास्टी (जिसे प्राथमिक एंजियोप्लास्टी भी कहा जाता है) जीवन बचाने का सबसे सुरक्षित और सुरक्षित तरीका है.

इस बात पर जोर दिया जाना चाहिए कि हममें से बहुत से लोग महसूस करते हैं कि हृदय घायल है और किसी भी प्रक्रिया को करने से पहले उसे आराम करने की अनुमति दी जानी चाहिए. यह सच नहीं है. सबसे अधिक लाभ तुरंत एंजियोप्लास्टी कराने से मिलता है. जो हृदय की बहुत सारी मांसपेशियों को मरने से रोकेगा और हृदय के पंपिंग कार्य को सुरक्षित रखेगा. जो दिल के दौरे के बाद दीर्घकालिक अस्तित्व के सबसे अच्छे भविष्यवक्ताओं में से एक है। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -216

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

1		2			3	4	5	■
	■		■	■	6			■
7			8	■	■	■	■	9
	■	■	10		11	■	12	
13	14			■	15	16	■	
■		■	■	■	17			
18		19	■	20	■		■	■
	■	21			■	22		23
24			■	25			■	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 215 का हल

मा	म	ला	■	सि	वा	य	■	कि
लि	■	चा	ह	त	■	म	म	ता
क	सू	र	■	म	ग	न	■	ब
■	र	■	■	■	द	■	■	■
क	मा	न	■	पा	र	स	■	स
मी	■	म	जा	ल	■	न	क	ली
ना	दा	न	■	ना	र	द	■	का
■	मि	■	■	■	तौं	■	■	■
सु	नी	ल	■	अ	धी	र	■	जी

मधुरिमा तुली सीख रही कथक, कहा-सीखने की कोई उम्र नहीं होती

टीवी एक्ट्रेस मधुरिमा तुली शास्त्रीय कथक नृत्य सीख रही हैं। एक्ट्रेस ने कुछ कथक मूव्स करते हुए अपना एक वीडियो पोस्ट किया।

रिलेक्स करने के साथ-साथ कुछ नया सीखने के हिस्से के रूप में, मधुरिमा ने शास्त्रीय नृत्य सीखने के बारे में कहा कि सीखना वास्तव में उम्र पर निर्भर नहीं है।

चंद्रकांता फेम एक्ट्रेस ने कहा: मैंने हमेशा माना है कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती। बचपन से ही, मैं डांस की शौकीन रही हूं।

एक्ट्रेस ने आगे कहा, जहां तक शास्त्रीय नृत्य का सवाल है, मैंने सबसे लंबे समय तक ओडिसी सीखी है और मुझे इससे पूरी तरह प्यार हो गया है। कथक भी लंबे समय तक चर्चा में रहा। मैं निश्चित रूप से और अधिक सीखने के लिए उत्सुक हूं।

मधुरिमा के पास टीवी के साथ-साथ ओटीटी फॉर्मेट्स में प्रोजेक्ट्स है, और उन्होंने ड्रामा, रोमांस, पौराणिक कथाओं, थ्रिलर, सोप ओपेरा, एक्शन और अन्य विभिन्न शैलियों में काम किया है।

टीवी में अपनी भूमिका के अलावा, एक्ट्रेस कुछ बॉलीवुड फिल्मों जैसे नाम शबाना, बेबी, हमारी अधूरी कहानी और यहां तक कि द ब्लैक प्रिंस जैसी इंटरनेशनल प्रोडक्शन का भी हिस्सा रही हैं।

वेब सीरीज की बात करें तो एक्ट्रेस को मिलिट्री-एक्शन-ड्रामा सीरीज अवरोध: द सीज विदइन में देखा गया था। (आरएनएस)

फिल्म गणपत का नया गाना जय गणेशा जारी, टाइगर श्रॉफ ने किया जबरदस्त डांस

बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ और एक्ट्रेस कृति सेनन की जोड़ी 'हीरोपंती' के बाद एक बार फिर से बड़े पर्दे पर लौटने के लिए तैयार है। विकास बहल के निर्देशन में बनी फिल्म 'गणपत' में दोनों बिल्कुल ही अलग किरदार में नजर आने वाले हैं। बता दें कि इस फिल्म के अब तक पोस्टर्स-टीजर और ट्रेलर मेकर्स रिलीज कर चुके हैं।

अब मेकर्स ने हाल ही में 'गणपत' का दूसरा गाना 'जय गणेशा' रिलीज कर दिया है, जिसमें टाइगर श्रॉफ 'गणपति बप्पा' की भक्ति में खोए हुए नजर आ रहे हैं। इससे पहले इस फिल्म के पहले गाने 'हम आए हैं' के पैपी गाने भी रिलीज हो चुका है।

आपको बता दें कि एक्टर टाइगर श्रॉफ को अब तक हमने कई गानों पर ग्रूव करते हुए देखा है। लेकिन इस बार 'गणपत' के इस नए गाने 'जय गणेश' में एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ का बिल्कुल ही अनदेखा अंदाज फैंस को देखने को मिल रहा है। 2 मिनट 33 सेकंड के इस गाने को सुनकर आप भी गणेशा की भक्ति में डूब जाएंगे।

इस गाने की शुरुआत टाइगर श्रॉफ की धांसू एंट्री से होती है, जिसमें उन्होंने बाजू पर गणपति बप्पा का छोटा सा ब्रेसलेट बांधा हुआ है। गले में माला और धोती-कुर्ता पहने एक्टर टाइगर, बप्पा की बड़ी सी मूरत दर्शाते हैं। गाने की शुरुआत श्लोक 'वक्रतुंड महाकाय' से होती है, जिसके बाद 'जय गणेश' पर अपने शानदार स्टेप्स से दिल जीतते हुए नजर आ रहे हैं। 'गणपत' के इस नए गाने के लिरिक्स काफी कैची हैं, जिस पर आपके कदम खुद-ब-खुद थिरक उठेंगे।

इस गाने को सिंगर विशाल मिश्रा ने गाने के साथ-साथ कंपोज भी किया है। इस गाने की लिरिक्स अक्षय त्रिपाठी ने लिखे है। 'गणपत' में कृति सेनन और टाइगर श्रॉफ की जोड़ी को देखने का फैंस को भी बेसब्री से इंतजार है। ये फिल्म 20 अक्टूबर को 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। बता दें कि बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म कंगना रनौत की 'तेजस' और दिव्या खोसला कुमार की 'यारियां' 2 से टक्कर लेगी।

टाइगर 3 में खतरनाक एक्शन करेंगी कैटरीना दिखेगा धाकड़ अवतार

इन दिनों फिल्म टाइगर 3 चर्चा में है। जब से टाइगर का मैसेज के रूप में फिल्म का टीजर सामने आया है, दर्शकों में इसे लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। फिल्म से सलमान खान और कैटरीना कैफ का लुक भी सामने आ चुका है।हाल ही में फिल्म से कैटरीना की पहली झलक सामने आई थी। नए पोस्टर में कैटरीना का एक्शन अंदाज नजर आ रहा था।अब टाइगर 3 में उनके किरदार को लेकर रोचक बातें सामने आई हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, इस बार फिल्म में कैटरीना का किरदार जोया पहले से ज्यादा आक्रामक होगा।टाइगर की पिछली फिल्मों की तरह इस बार कैटरीना के हिस्से यहां-वहां कुछ एक्शन दृश्य नहीं, बल्कि उनके कंधों पर फिल्म की अच्छी खासी जिम्मेदारी होगी और वह भरपूर एक्शन करती नजर आएंगी। फिल्म में वह कई खतरनाक स्टंट करती दिखाई देंगी।किरदार की नई खूबियों के हिसाब से उनके लुक और कॉस्ट्यूम में भी बदलाव किए गए हैं।

कैटरीना ने भी कहा है, मैंने स्पाई यूनिवर्स की हर फिल्म में अपने शरीर का इम्तिहान लिया है और टाइगर 3 में भी ऐसा ही है। हम एक्शन दृश्यों को अलग स्तर पर ले जाना चाहते थे। मैंने अपने शरीर पर काफी मेहनत की है और लोगों को यह दिखाई देगा। शारीरिक रूप से यह मेरी अब तक की सबसे चुनौतिपूर्ण फिल्म है।उन्होंने यह भी कहा कि जोया का किरदार निभाना उनके लिए सपने के सच होने जैसा है।

टाइगर फ्रैंचाइजी में कैटरीना, जोया का किरदार निभाती हैं, जो एक पाकिस्तानी जासूस है। एक मिशन के दौरान उसे भारतीय जासूस अविनाश राठौड़ उर्फ टाइगर से प्यार हो जाता है।दोनों शादी करके खुशहाल जिंदगी जीते हैं, लेकिन अपने-अपने देश की सुरक्षा के लिए समर्पित हैं और जब भी जरूरत पड़ती है, देश की सुरक्षा के लिए खुफिया मिशन पर निकल पड़ते हैं।फ्रैंचाइजी की पिछली फिल्में एक था टाइगर 2012 और टाइगर जिंदा है 2017 में आई थी।

इस साल आई शाहरुख खान की फिल्म पठान के साथ यशराज फिल्म्स ने अपनी स्पाई यूनिवर्स की घोषणा की थी। इसमें पठान, टाइगर और ऋतिक रोशन की वॉर का क्रॉसओवर देखने को मिलेगा।इस यूनिवर्स में शाहरुख, सलमान और ऋतिक की तिकड़ी दिखेगी।इस यूनिवर्स में टाइगर 3 के बाद वॉर 2 और टाइगर बनाम पठान फिल्में आने वाली हैं। इसमें एक महिला केंद्रित फिल्म के शामिल होने की भी खबर है, जिसमें आलिया भट्ट मुख्य भूमिका निभाएंगी।

पठान में सलमान खान के कैमियो ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। अब टाइगर 3 में शाहरुख का दमदार कैमियो देखने को मिलेगा। इसे लेकर दर्शक खासा उत्साहित हैं। टाइगर 3 10 नवबंर को रिलीज होने वाली है। फिल्म को दिवाली की छुट्टियों का फायदा मिलेगा।

नेहा धूपिया ने किया अपनी पहली वेब सीरीज का ऐलान, मानसिक स्वास्थ्य पर होगी आधारित

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर अभिनेत्री नेहा धूपिया ने कहा कि उनके आगामी प्रोजेक्ट की स्क्रिप्ट मानसिक स्वास्थ्य पर केंद्रित है। एक बयान में अभिनेत्री नेहा धूपिया ने मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर चर्चा करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने व्यक्तियों से साथियों और विशेषज्ञों दोनों से समर्थन लेने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चुप्पी के गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

अभिनेत्री ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कलंक को तोडने लिए एक मंच प्रदान करने के परियोजना के इरादे पर प्रकाश डाला।

नेहा ने कहा, इस महत्वपूर्ण मोड़ पर यह जरूरी है कि हम प्रस्तुत कहानी के माध्यम से इस मुद्दे को संबोधित करें। हमारा उद्देश्य सकारात्मक परिवर्तन लाना है और मैं आपको विश्वास दिलाती हूं कि यह परियोजना मानसिक स्वास्थ्य के आसपास अधिक से अधिक संवाद को प्रोत्साहित करेगी। मैं वास्तव में इस प्रयास का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं।

बैकलेस आउटफिट में कबीर सिंह की हीरोइन ने लगाया बोल्डनेस का ओवरडोज तड़का

कबीर सिंह फेम निकिता दत्ता आए दिन अपने फैशन स्टेटमेंट्स के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। उनका हर एक अंदाज सोशल मीडिया पर शेयर होते ही छा जाता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट स्टाइलिश अंदाज से फैंस को अपनी ओर रिझाना शुरू कर दिया है। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपना दिल हार गए हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपनी बेहद ही ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर तबाही मचाई हुई हैं। वो जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में वो बेहद ही खूबसूरत लग रही हैं। निकिता दत्ता ने इन तस्वीरों में फ्लोरल प्रिंट लुक में बैकलेस शॉर्ट ड्रेस पहना हुआ है। हालांकि फैंस भी उनके लुक्स को देखकर आहें भरते नहीं थक रहे हैं। निकिता दत्ता सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। एक्ट्रेस की इंस्टाग्राम पर फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी लंबी है। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो

फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। निकिता दत्ता की इन तस्वीरों पर एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है- हॉट वहीं दूसरे ने लिखा है- अमेजिंग।

मिस्र ने इजराइल को चेताया था!

श्रुति व्यास

आज नहीं तो कल, कल नहीं तो परसों। ये तो होना ही था। लंबे समय से लग रहा था कि हमास कभी न कभी इजराइल पर बर्बर हमला करेगा। नि:संदेह यह हमला इजरायली खुफिया तंत्र की भयावह असफलता है। किंतु हम सब जानते हैं कि अति आत्मविश्वास घातक होता है। इजराइल को भरोसा था कि उसकी दमदार सेना और अतिकुशल सुरक्षा कवच के चलते हमास गाजा पट्टी के बाहर कुछ भी नहीं कर पाएगा। चन्द मुठभेडें हो सकती हैं लेकिन कुछ बड़ा नहीं होगा।

हालाँकि मिस्र ने उन्हें आगाह किया था। ऐसी खबरें हैं कि मिस्र ख़ जो इजराइल और हमास के बीच मध्यस्थ की भूमिका अदा करता है ख़ ने चेतावनी दी थी कि गाजा का यह आतंकवादी संगठन कुछ 'बड़ा' करने की योजना बना रहा है। लेकिन येरुशलम ने मिस्र की खुफिया संस्थाओं की चेतावनी को बार-बार नजरअंदाज किया। अपना ध्यान वेस्ट बैंक पर केन्द्रित रखा। सिर्फ दस दिन पहले मिस्र के खुफिया विभाग के मंत्री जनरल अब्बास कामेल ने नेतन्याहू को फोन मिलाया था। लेकिन प्रधानमंत्री ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। हालांकि बीबी उर्फ नेतन्याहू ने ऐसी कोई पूर्व चेतावनी मिलने की बात का खंडन किया है और उन्होने राष्ट्र को संबोधित करते हुए ऐसी खबरों को 'झूठा' बताया है।

लेकिन ऐसा कभी नहीं होगा या हो सकता, यह मानना ही खुशफहमी थी। मध्यपूर्व हमेशा बिना शांति के रहा है। इस क्षेत्र में राजनैतिक हालात जटिल हैं और फिलिस्तीनी मसला संवेदनशील और पेचीदा रहा है।पश्चिम एसिया के कई देशों की सरकारें इजराइल के साथ संबंध कायम करना चाहती हैं लेकिन फिलिस्तीनियों के अधिकारों का मामला अरब बिरादरी के लोगों के लिए हमेशा महत्वपूर्ण रहा है। वे मानते हैं कि संबंध

सामान्य होने की संभावना बहुत कम है। सात अक्टूबर को हमास द्वारा किया गया रक्तपात अत्यंत निंदनीय है लेकिन यह भी एक सचाई है कि इजराइल ने 56 साल से वेस्ट बैंक पर कब्जा किया हुआ है और मिस्र के साथ मिलकर उसने गाजा पट्टी की घेराबंदी कर रखी है।

फिलिस्तीनी गंदे हालातों में जी रहे हैं। वे हिंसा, बेदखली और अमानवीय स्थितियों का सामना करने को बाध्य हैं। फिलिस्तीनी सरकार के पूर्व सूचना मंत्री डॉ मुस्तफा बरगोती, जो पेलिस्टाइन नेशनल इनिशिएटिव नामक एक लोकतांत्रिक फिलिस्तीनी संगठन का प्रतिनिधित्व करते हैं, और जिनका फतह और हमास दोनों से कोई संबंध नहीं है, ने फरीद जकारिया को दिए गए एक साक्षात्कार में साफ शब्दों में कहा कि यह स्थिति आधुनिक काल के सबसे लंबे समय तक चले कब्जे का सीधा नतीजा है। बेबाकी से अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि हमास का हमला कई कार्यवाहियों की प्रतिक्रिया था, जिनमें फिलिस्तीनियों पर वहां बसे लोगों द्वारा हमले, वेस्ट बैंक से फिलिस्तीनयों के निष्कासन, इजरायली उग्रपंथियों द्वारा मुस्लिम और ईसाई पवित्र स्थलों पर हमले और इजराइल द्वारा अरब देशों से सामान्य संबंध कायम करना शामिल हैं ख़इन सबको बरगोती ने इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू द्वारा फिलिस्तीनियों के अधिकारों और उनके लक्ष्यों को समाप्त करने का प्रयास बताया है।

तीस साल पहले फिलिस्तीन और इजराइल के बीच ओस्लो शांति समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे।एक नई सुबह का उदय हुआ था और नए रिश्तों की शुरूआत व दुश्मनी के खात्मे की उम्मीद जागी थी। वह अब एक सपना भर है। और दोनों पक्ष इस बात पर राजी थे कि पांच साल बाद दोनों समुदाय संप्रभु राष्ट्रों में निश्चित सीमाओं के भीतर बस जाएंगे। और अंतरिम समझौता समाप्त हो जाएगा। लेकिन यह कभी न हो सका।तभी सात अक्टूबर को न केवल ओस्लो समझौते का पूरी तरह खात्मा हो गया बल्कि भविष्य में किसी समझौता वार्ता की संभावना भी समाप्त हो गई। आने वाले दिनों और महीनों में घटनाक्रम क्या रूख लेगा, यह कहा नहीं जा सकता, लेकिन यह एक लंबे युद्ध की शुरूआत है।

बेंजामिन नेतन्याहू ने ''एक बड़ी कीमतङ वसूलने का संकल्प व्यक्त किया है। हमास को अपनी करनी का नतीजा भुगतना पड़ेगा और इस प्रक्रिया में उसके नेता इस्मायल हनिए और मोहम्मद डेफ या तो मारे जाएंगे या गिरफ्तार किए जाएंगे। हमास के अधिकारियों का कहना है कि उनका संगठन भी लंबे युद्ध के लिए तैयार है। ज्यादातर कहर गाजा पर बरपाया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र संघ का मानना है कि वर्तमान में गाजा में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों की संख्या सन् 2014 के बाद से सबसे ज्यादा है। गाजा को पहले ही जीवन और रोजमर्रा की सारी मूलभूत सुविधाओं से महरूम कर दिया गया है। गाजा में नागरिकों की मौत को बहुत अनुचित व अन्यायपूर्ण माना जाएगा। इससे दुनिया में इजराइल की प्रतिष्ठा धूमिल होगी और यह वाकई बहुत गलत होगा। लेकिन इजराइल ने प्रतिशोध लेने और गाजा पर दुबारा कब्जा करने का संकल्प लिया है, भले ही इसके नतीजे में हमास उसके अपने लोगों की हत्या कर दे।

मध्य पूर्व लम्बे समय से शांति से वंचित रहा है और लगता है कि उसके सुकून के दिन कुछ, या शायद बहुत दूर खिसक गए हैं।

सू- दोकू क्र.216

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र215 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4

वामपंथी पार्टियों की राजनीति क्या है?

देश की चार वामपंथी पार्टियों ने साझा मीटिंग करके लखनऊ में एक सभा की है। सीपीआई, सीपीएम, सीपीआई एमएल और फॉरवर्ड ब्लॉक के नेता मिले और उन्होंने अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा की। उसके बाद एक सभा भी हुई, जिसमें सभी नेताओं ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के साथ मिल कर लडने और भाजपा को हराने का संकल्प किया। लेकिन इन चारों पार्टियों की राजनीति किसी को समझ में नहीं आ रही है। असल में कम्युनिस्ट पार्टियों का असर बहुत सीमित क्षेत्र में रह गया है। अभी तक इन पार्टियों की जो रणनीति है उसके मुताबिक, जहां इनका असर है वहां इनको तालमेल करके नहीं लडना है। वहां ये पार्टियां 'इंडिया' के साथ नहीं रहेंगी और जहां असर नहीं है वहां विपक्षी गठबंधन में शामिल होकर लडने के लिए सीटें चाहिए।

कम्युनिस्ट पार्टियों ने साफ कर दिया है कि वे केरल में गठबंधन नहीं करेंगी क्योंकि वहां पिछले सात साल से उनकी सरकार चल रही है और उनका मजबूत असर है। वहां कांग्रेस से सीधा मुकाबला लेफ्ट का है। इसी तरह त्रिपुरा में भी सीपीएम मुख्य विपक्षी पार्टी है और वहां भी उसे तालमेल नहीं करना है। वहां की दो सीटों पर वह अकेले लडना चाहती है। कांग्रेस से तालमेल की बात वह कर भी सकती है लेकिन तृणमूल के साथ तालमेल नहीं करना है। पश्चिम बंगाल में, जहां लेफ्ट ने साढ़े तीन दशक तक लगातार राज किया था वहां भी उसे तालमेल नहीं करना है। इसके अलावा बाकी किसी राज्य में उसका कोई आधार नहीं है। फिर भी उसे बिहार में सीट चाहिए, महाराष्ट्र में सीट चाहिए, तेलंगाना में भी सीट चाहिए और झारखंड में भी एक सीट चाहिए। वह दूसरी विपक्षी पार्टियों के असर वाले सभी राज्यों में तालमेल करके लडना चाहती है।

रोजगार: आंकड़ों का सच

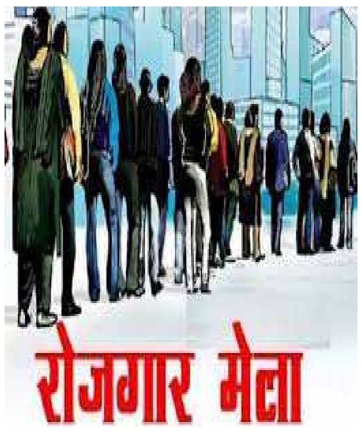

महामारी के दौरान स्वरोजगार की संख्या क्यों बढ़ी और नियमित वेतन वाले रोजगार की संख्या क्यों घटी? और इस अनुपात का आज भी उसी रूप में बने रहना क्या बताता है?

अप्रिय आंकड़ों को कैसे चमकदार बना कर पेश किया जा सकता है, उसे समझना हो, तो पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे (पीएलएफएस) की ताजा सर्वे रिपोर्ट पर गौर करना चाहिए। यह रिपोर्ट इस वर्ष जून और जुलाई महीनों के बारे में है। राष्ट्रीय सांख्यिकी संस्थान की तरफ से जारी इस रिपोर्ट के आधार पर अखबारों ने सुर्खियां बनाई हैं कि इन दो महीनों में देश में बेरोजगारी की दर गिरी। साथ ही श्रम बाजार में भागीदारी (एलएफपीआर) दर में वृद्धि हुई है। शहरी और ग्रामीण इलाकों में इस अवधि में बेरोजगारी दर क्रमश: 5.4 और 2.4 प्रतिशत रही, जबकि उसके पहले के दो महीनों में ये दर 6. 3 और 3.2 प्रतिशत थी। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2022-23 में एलएफपीआर बढ़ कर 57.9 प्रतिशत तक पहुंच गई, जबकि 2021-22 में यह दर 55.2 प्रतिशत थी। जाहिर है, ये आंकड़े एक सकारात्मक तस्वीर पेश करते हैं। लेकिन अब जरा इसी रिपोर्ट से सामने आए इस विवरण पर गौर कीजिए कि भारत में जिन लोगों को रोजगार में माना जा रहा है, उन्हें दरअसल किस तरह का रोजगार हासिल है।

सरकार ने जो आंकड़े दिए हैं, उसके मुताबिक कुल रोजगार प्राप्त लोगों में 57.3 प्रतिशत स्वरोजगार श्रेणी में आते हैं। 2018-19 में (यानी कोरोना महामारी के पहले) ये संख्या 52.1 प्रतिशत थी। अब नियमित वेतन मिलने वाले रोजगार वाली श्रेणी में 20.9 प्रतिशत लोग हैं। 2018-19 में यह संख्या 22.8 प्रतिशत थी। बाकी लोग कैजुअल यानी अनियमित रोजगार की श्रेणी में हैँ। प्रश्न है कि महामारी के दौरान स्वरोजगार की संख्या क्यों बढ़ी और नियमित वेतन वाले रोजगार की संख्या क्यों घटी? और इस अनुपात का आज भी उसी रूप में बने रहना क्या बताता है? यह बताता है कि उच्च आर्थिक वृद्धि दर के तमाम आंकड़ों के बावजूद रोजगार के बाजार में कोई सुधार नहीं हुआ है। भारत में स्वरोजगार से तात्पर्य बेरोजगारी को छिपाना और अध-रोजगार की स्थिति होता है। अगर विकल्प हो, तो स्वरोजगार वाले लोगों की अधिसंख्या नियमित वेतन के रोजगार को अपना लेगी। इसीलिए बेरोजगारी और एलएफपीआर के आंकड़ों का आम इनसान की वास्तविक आर्थिक स्थिति से कम ही रिश्ता है।

बाईक की चपेट में आकर पण्डित की मौत

देहरादून(संवाददाता)। बाईक की चपेट में आकर पण्डित की मौत हो गयी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अपर सुद्धोवाला निवासी चण्डी प्रसाद उनियाल ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका भाई पंण्डित देवेन्द्र प्रसाद उनियाल जो कि माहामाया बाला सुन्दरी प्राचीन धाम में बतौर पंडित नियुक्त थे 15 अक्टूबर (रविवार) रात्रि लगभग सवा आठ बजे रोजाना की तरह अपने दैनिक पूजन कार्य करने के पश्चात मंदिर से अपने घर की ओर जा रहे थे। तभी मंदिर के द्वितीय गेट से मात्र 20 मीटर दूरी पर उसके भाई को पीछे से तेज रफ्तार से आ रही बाइक सवार युवक ने पल्सर बाइक से टक्कर मार दी। जिस कारण उसके भाई को कई गम्भीर चोटे आयी तथा राहगीरों की मदद से जैसे तैसे उसके भाई को ग्राफिक ऐरा हॉस्पिटल धूलकोट ले जाया गया। परन्तु हॉस्पिटल द्वारा उसके भाई को मृत घोषित कर दिया गया। उसके भाई को पूरे शरीर में कई गम्भीर चोटे लगी थी जो कि बाईक के ओवर स्पीट के कारण, लापरवाही व खतरनाक तकीरे से गाडी चलाया जाना प्रतीत होता है। जिस कारण उसके भाई की मृत्यु हुई है। उक्त बाइक चालक युवक की पहचान आदित्य थापा पुत्र आनन्द थापा हाल निवासी जोशी गली श्यामपुर ठाकुरपुर देहादून के रुप में की गयी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नशे में धुत्त युवकों ने दो वाहनों को टक्कर मार क्षतिग्रस्त किया

देहरादून(संवाददाता)। नशे में धुत्त युवकों ने तेज रफ्तार से वाहन चलाकर दो वाहनों को अपनी चपेट में लेकर क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मवाना मेरठ निवासी मोहित राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज प्रातः लगभग 5 बजे के आसपास वह और उसका मित्र सौरभ कुमार निवासी कोलागढ, देहरादून जब मसूरी रोड़ में डी.आई.टी. कॉलेज के गेट के समीप स्थित चाय की दुकान काठी एक्सप्रेस के सामने सड़क के बिल्कुल किनारे अपनी कार को खड़ी कर चाय लेने गये थे तभी तेजी से आ रही कार संख्या स्वीफ्ट डिजायर द्वारा उसकी कार को पीछे से बहुत जोर से टक्कर मार कर अत्यधिक क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। वाहन में दो लड़के बैठे हुए थे तथा वह अत्यधिक नशे की हालत में थे, इनमें से एक लड़के का नाम अमित बोरा है। उनकी कार की गति इतनी ज्यादा थी कि उनकी कार ने उसकी कार के साथ-साथ चाय की दुकान के सामने खड़े अन्य 3-4 दोपहिया वाहनों एवं चाय की दुकान में बैठने हेतु रखे स्टूल इत्यादि को भी अत्यधिक क्षतिग्रस्त कर दिया है। उसके द्वारा तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम को 100 नंबर पर अपने मोबाईल से इसकी सूचना दी गयी जिस पर पुलिस द्वारा उपरोक्त वाहन में बैठे हुए लड़को को अस्पताल ले जाया गया।

जोशी ने उद्यामिता किसान सम्मेलन व उत्तराखंड विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने उद्यामिता किसान सम्मेलन व उत्तराखण्ड विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

आज यहां कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने देहरादून स्थित दून विश्वविद्यालय में स्मृति विकास संस्थान के सौजन्य से भारतीय किसान संघ एवं स्वावलम्बी भारत अभियान, उत्तराखण्ड द्वारा आयोजित उद्यामिता किसान सम्मेलन एवं सम्मान समारोह व उत्तराखंड विकास प्रदर्शनी कार्यक्रम में बतौर अतिथि प्रतिभाग किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने समारोह में लगी विभिन्न विकास प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम में मंत्री गणेश जोशी ने राष्ट्रीय विचारक व मार्गदर्शक के. एन. गोविंदाचार्य को पौधा एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। उत्कृष्ट उद्यमी किसानों को सम्मानित किया गया। मंत्री ने कहा भारत के कृषि प्रधान देश है। देश की जीडीपी में कृषि का अहम योगदान है। उन्होंने कहा आज प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों का ही परिणाम है, कि भारत आज 70 से अधिक देशों को खाद्यान्न निर्यात कर रहा है। मंत्री ने कृषि में अधिक प्रेस्टिसाइज के उपयोग पर चिंता भी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की कुल कृषि योग्य भूमि में से 2.17 लाख हैक्टेयर क्षेत्रफल को जैविक कृषि के अंतर्गत आच्छादित किया गया है और यह क्षेत्रफल कुल कृषि भूमि का 34 प्रतिशत है। मंत्री गणेश जोशी ने कहा राज्य में प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा देने के लिए प्राकृतिक कृषि विकास बोर्ड का गठन किया जा रहा है। मंत्री ने कहा आत्म निर्भर प्राकृतिक किसान योजना के तहत राज्य में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए इस वर्ष 10 करोड़ की प्राविधान किया गया है। इसके अतिरिक्त 5 करोड़ रुपए से प्राकृतिक कृषि नमामि गंगा कॉरिडोर शुरू की जा रही है।

इस योजना से गंगा तट पर 5 किमी की परिधि में प्राकृतिक कृषि के लिए प्रोत्साहन दिया जायेगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय विचारक व मार्गदर्शक के. एन. गोविंदाचार्य, कुलपति सुरेखा डंगवाल, संयोजक सुरेंद्र सिंह, प्रदेश अध्यक्ष किसान संघ भुवन विक्रम डबराल, डीन दून यूनिवर्सिटी एस. सी.पुरोहित, ललित जोशी सुनील अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

शारदीय नवरात्रि के चौथे दिन इजराइल व यूक्रेन में मारे गये लोगों के लिए की प्रार्थना

देहरादून(संवाददाता)। माता वैष्णो देवी गुफा योग मन्दिर टपकेश्वर महादेव में शारदीय नवरात्रि के चौथे दिन इजराइन व यूक्रेन में मारे गये लोगों की आत्म शांति के लिए प्रार्थना की गयी।

आज यहां माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव देहरादून में शारदीय नवरात्रि पूजा अनुष्ठान 2023 में आयोजित विशेष शतचंडी पूजा अनुष्ठान में आज चर्तुथ दिवस पर इजरायल और यूक्रेन आतंकवाद और युद्ध में मारे गए मृतकों के लिए विशेष प्रार्थना की गई

माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव देहरादून के संस्थापक आध्यात्मिक गुरु आचार्य बिपिन जोशी के पावन सानिध्य में धर्मनगरी हरिद्वार से पधारे विद्वान ब्राह्मणों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ सम्पूर्ण विश्व में आतंकवाद रूपी राक्षसों के खात्मे का आह्वान माता रानी से किया गया।

आचार्य बिपिन जोशी ने कहा आन्तरिक शांति से ही बाह्य शांति संभव है ध्यान योग और अध्यात्म के माध्यम से ही मनुष्य भीतर से शान्त हो सकता है, जब मनुष्य भीतर से शान्त होगा तभी वह आतंकवाद, गोला बारूद, हथियारों की जगह प्रेम, शांति और विश्व बंधुत्व की ओर बड़ेगा।

आज प्रातः विशेष पूजा अर्चना के बाद श्री शतचंडी पूजा अनुष्ठान आरंभ हुआ, विद्वान ब्राह्मणों द्वारा श्री दुर्गा सप्तशती के पाठ किए गए।

सायंकाल में माता रानी का विशेष श्रृंगार और आरती होगी, आज के कार्यक्रम में आचार्य मनोज कोठियाल, आचार्य ध्रुव उप्रेती, आचार्य बिपिन भट्ट शास्त्री अजय कोठियाल, शास्त्री विवेकानंद खांकरीयाल, शास्त्री आशीष मिश्रा, पंडित गणेश बिजलवान, पंडित हर्षपति रयाल, पंडित अरविंद बडोनी आदि का विशेष सहयोग रहा।

झलक इंडिया में मुफ्त में लगाई जाएगी मेहंदी

देहरादून(संवाददाता)। 21 अक्टूबर को शुरू होने वाले झलक इंडिया में महिलाओं को मुफ्त में मेंहदी लगायी जायेगी।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए झलक इंडिया लाइफस्टाइल एग्जिबिशन की आयोजन मीनाक्षी अग्रवाल ने बताया कि झलक इंडिया लाइफस्टाइल एग्जिबिशन एक बार फिर राजधानी देहरादून में धूम मचाने के लिए तैयार है। इस बार झलक इंडिया एग्जीबिशन के दौरान शुरू की महफिल भी सजेगी और महिलाओं को मुफ्त मेहंदी भी लगाई जाएगी तो शॉपिंग के साथ-साथ ले सकते हैं गीत संगीत और मेहंदी का मजा।

पिछले कई वर्षों की भांति इस बार भी 21 अक्टूबर को झलक इंडिया एक बार फिर त्योहार ही सीजन में शॉपिंग करने का मौका दे रहा है साथ ही इस बार बहुत कुछ नया हो रहा है। उन्होंने बताया कि एग्जीबिशन की बात करें तो भारतवर्ष के विभिन्न हिस्सों से लोग यहां पर स्टाल लगाने आ रहे हैं आपको एक ही छत के नीचे कई प्रदेशों की झलक देखने को मिलेगी वहीं शाम को चार बजे से ध्वनि म्यूजिकल इवनिंग का आयोजन किया गया है।

जिसमें शिखर कच्छल एवं टीम अपनी प्रस्तुतियां देंगे और एक बार फिर लोगों को पुराना दौर याद करेंगे। साथ-साथ पूरा दिन यहां पर महिलाओं को मेहंदी लगवाने का अवसर भी दिया जा रहा है जो महिलाएं यहां पर शॉपिंग के लिए आएंगे वह यहां से मेहंदी लगवा कर जा सकती हैं।

राज्यपाल ने किया टीबी सेल का अनावरण

संवाददाता

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेट जनरल (सेनि) गुरमीत सिंह ने टीबी के प्रति जन जागरूकता अभियान चलाते हुए टीबी सेल का अनावरण किया।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने राजभवन में टीबी एसोसिएशन ऑफ उत्तराखण्ड के टी.बी के प्रति जनजागरूकता अभियान 'टी.बी. सेल' का अनावरण किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने टी.बी. एसोसिएशन ऑफ उत्तराखण्ड को "टी.बी. सेल" अभियान के लिए . 1.25 लाख रूपये देने की घोषणा की। टी.बी. रोग के प्रति जनजागरूकता अभियान के तहत "टी. बी. सेल" का अनावरण किया जाता है, जिसका मूल्य 05 रूपये है।

इससे संचित धनराशि का उपयोग टी.बी. रोग के प्रति जनजागरूकता अभियान में संस्था द्वारा खर्च किया जाता है। एसोसिएशन 2008 से राज्य में क्षय रोग के प्रति दूरस्थ क्षेत्रों में जनजागरूकता एवं चिकित्सा शिविर आयोजित कर रही है। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड ने 2024 तक प्रदेश को टी.बी. मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है।

इस लक्ष्य को पूरा करने में जनजागरूकता के साथ-साथ लोगों के सहयोग की जरूरत है। उन्होंने कहा कि लोगों को टी.बी. के शुरूआती लक्षणों की पहचान हेतु जागरूक करना चाहिए, प्रारंभिक अवस्था में टी.बी. का इलाज किया जाए तो रोगी पूरी तरह से ठीक हो जाता है। राज्यपाल ने कहा कि सभी विश्वविद्यालय इस जनजागरूकता अभियान में अपना पूर्ण योगदान देंगे। उन्होंने एसोसिएशन द्वारा संचालित विभिन्न क्रियाकलापों की जानकारी ली और उनकी सराहना की। इस अवसर पर महासचिव श्रीमती पूनम किमोठी, अध्यक्ष देव सिंह जंगपांगी, कोषाध्यक्ष जी.डी. चौकियाल, वरिष्ठ फिजीशियन डॉ. महावीर सिंह, डॉ. ए.के. सिंह उपस्थित रहे।

एक नजर

पुख्ता सुरक्षा के लिए संवेदनशील सुरक्षा बल जरूरी: रतूड़ी

संवाददाता

देहरादून। एसीएस श्रीमती राधा रतूडी ने कहा कि राज्य में बैंकों एवं औद्योगिक आस्थानों, हैलीपैड एवं सरकारी उपक्रमों की पुख्ता सुरक्षा के लिए एक उत्तरदायी एवं संवेदनशील सुरक्षा बल की नितान्त आवश्यकता है।

आज यहां अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के तर्ज पर उत्तराखण्ड में राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल (एसआईएसएफ) के गठन हेतु कार्ययोजना बनाने के सम्बन्ध में सचिवालय में होमगाड्र्स, विभिन्न औद्योगिक संस्थानों, बैंक अधिकारियों, सिडकुल, नागरिक उड्डयन विभाग तथा गृह विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। एसीएस श्रीमती राधा रतूड़ी ने प्रदेश में स्थित सभी बैंकों, एयरपोर्ट्स, हैलीपेड, औद्योगिक संस्थानों, सिडकुल, राज्य एवं केन्द्र सरकार के उपक्रमों एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में सुरक्षा बलों की आपूर्ति से सम्बन्धित जानकारी गृह विभाग को जल्द प्रेषित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने राज्य में केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के तर्ज पर राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल (एसआईएसएफ) गठन के निर्देश दिए हैं। इस अवसर पर सचिव दिलीप जावलकर, अपर सचिव सी रविशंकर, विशेष सचिव गृह रिद्धम अग्रवाल, विम्मी सचदेवा एवं उत्तराखण्ड होमगाड्र्स विभाग, सिडकुल, नागरिक उड्डयन विभाग, गृह विभाग, विभिन्न औद्योगिक संस्थानों व बैंकों के अधिकारी उपस्थित थे।

समिति ने किया एनडी तिवारी को याद

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने पूर्व मुख्यमंत्री एनडी तिवारी के जन्म दिवस व पुण्य तिथि में उनको याद कर श्रद्धांजलि दी।

आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के पदाधिकरियों ने अपने कार्यालय कावली रोड पर प्रदेश के भूतपूर्व मुख्यमंत्री विकास पुरुष स्वर्गीय पंडित नारायण दत्त तिवारी जी की जयंती व पुण्यतिथि पर उन्हें याद किया। स्मरण रहे की तिवारी की जयंती और पुण्यतिथि एक ही दिन पड़ती है। इस मौके पर समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियालऔर वरिष्ठ प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी ने कहा कि एनडी तिवारी के योगदान को प्रदेश की जनता और प्रदेश के राज्य प्राप्ति आंदोलनकारी कभी नहीं भूल सकते उन्हीं के अथक प्रयासों से राज्य आंदोलनकारियों को नौकरियां मिली थीं जिससे कई परिवारों को लाभ पहुंचा और बेरोजगारी से बचे और वह अपने पैरों पर खड़े हो सके पेंशन भी एनडी तिवारी के सहयोग से मिली और शहीद स्मारक भी तिवारी के प्रयासों से बना उनके योगदान को कभी भी नहीं बुलाया जा सकता। तिवारी को याद करने वालों में समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी, सुशील विरमानी, अतुल शर्मा ,पारस यादव, अनुज सिंगल, राम सिंह प्रधान, रणजीत सिंह जोशी ,संदीप गुप्ता आदि मोजूद रहे।

एनडी तिवारी की पुण्य तिथि व जन्म दिवस पर दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी के जन्म दिवस व पुण्य तिथि पर उनको याद कर श्रद्धांजलि दी।

आज यहां कांग्रेस के शीर्ष नेता एवं उत्तराखण्ड के प्रथम निर्वाचित सरकार के मुख्यमंत्री स्व. पंडित नारायण दत्त तिवारी के जन्म दिवस एवं पुण्य तिथि के अवसर पर कांग्रेस भवन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महानगर अध्यक्ष डॉ जसविन्दर सिंह गोगी के नेतृत्व में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की तथा तथा राष्ट्र, प्रदेश तथा पार्टी के लिए उनके योगदान को याद किया। इस अवसर पर गोगी ने कहा कि तिवारी उत्तराखंड राज्य के प्रथम निर्वाचित सरकार के मुख्यमंत्री रहे और इस भूमिका में उनके द्वारा उत्तराखंड में विभागों का ढांचा तैयार करने, अवस्थापनात्मक संरचना की सुदृढ नींव रखने तथा राज्य की 900 करोड़ की वार्षिक योजना का आकार बढ़ाकर 5000 करोड़ तक पहुंचाने का कार्य करने का ऐसा कार्य किया जिसको आज भी कांग्रेस के साथ साथ विरोधी दल के लोग भी याद करते हैं। उनकी राजनीतिक यात्रा के बारे में चर्चा करते हुए गोगी ने कहा कि वे इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रथम छात्रसंघ अध्यक्ष रहे और उत्तर प्रदेश की पहली विधानसभा में भी 1952 में नैनीताल क्षेत्र से निर्वाचित हुए। वे उत्तर प्रदेश में तीन बार मुख्यमंत्री रहे और उन्होंने केंद्र में विदेश, वित्त जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों का कार्य भी देखा। नेहरू युवा केन्द्र की स्थापना और संचालन में उनकी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रही। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता नवप्रभात ने एन डी तिवारी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्व. तिवारी संसदीय परंपराओं के मर्मज्ञ राजनेता थे। प्रशासनिक कुशलता और निर्णय लेने में उनकी योग्यता असाधारण थी। वे विकास पुरुष के नाम से जाने जाते थे और हमेशा ही विकास की राजनीति उन्होंने की।

लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नशे से दूर रहना होगा: आर्य

संवाददाता

देहरादून। बदलाव फाउंडेशन द्वारा आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभाराम्भ करते हुए खेल मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि अगर लक्ष्य को प्राप्त करना है तो नशे से दूर रहना होगा।

आज प्रदेश की खेल मंत्री रेखा आर्या ने देहरादून में बदलाव फाउंडेशन द्वारा आयोजित नशा मुक्त अभियान के तहत क्रिकेट मैच के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की जहां उन्होंने क्रिकेट मैच की शुरुआत टॉस कराकर की। खेल मंत्री ने कहा कि बदलाव फाउंडेशन द्वारा युवाओं को नशे से दूर करने की यह पहल सराहनीय है। यहां कुल 20 टीमों के मध्य में क्रिकेट मैच के आयोजन किये जायेंगे जो कि देहरादून के अलग-अलग मैदानों में खेले जाएंगे। यह क्रिकेट के मैच कुल 20 टीमो के बीच खेले जाएंगे जो कि आज से शुरू होकर 5 नवंबर तक चलेंगे। वहीं खेल मंत्री ने सभी को संबोधित करते हुए यही कहा कि अगर जीवन मे किसी लक्ष्य को प्राप्त करना है तो हमे नशे से दूर रहना होगा क्योंकि अगर हमसब नशे से दूर रहेंगे तो अपने जीवन मे हर वह लक्ष्य पा सकते हैं जिसकी हम कल्पना करते हैं।नशा एक ऐसी चीज है जो हमारे सपनो को तो खत्म करती ही है साथ ही साथ हमे अंदर से खोखला भी बनाती है। आज का युवा अपने मकसद और अपने सपनो से सिर्फ इसलिए भटक रहा है क्योंकि वह नशे की गिरफ्त में जा रहा है। आज हमें युवा पीढ़ी को नशे से दूर करने की जरूरत है, ऐसे में बदलाव फाउंडेशन द्वारा युवाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से इस प्रकार का आयोजन सराहनीय है।यह जानकर भी बेहद खुशी हुई कि जो यह मैच हो रहे है यहां पर सभी 30 वर्ष से अधिक आयु के लोग प्रतिभाग कर रहे है! कहीं ना कहीं जहां खेलो से हमारा शरीर स्वस्थ्य होता है वहीं हम निरोगी भी बनते हैं। यह खेल टूर्नामेंट प्रदेश में नशे के प्रति जनजागरण हेतु किया जा रहा है। विशेषता प्रतिभाग करने वाली सभी टीमें सरकारी एवं उच्च पदाधिकारियों के सहयोग से गठित की गई है। हमारा संदेश देश के कर्णधार युवाओं को नशे के प्रति जागरूक कर

जांच में लापरवाही बरतने वाले के साथ थाना प्रभारी के विरूद्ध भी होगी सख्त कार्यवाही: एसएसपी

संवाददाता

देहरादून। एसएसपी अजय सिंह ने सख्त आदेश दिये है कि जांच में लापरवाही बरतने वाले जांच अधिकारी के साथ ही थाना प्रभारी के खिलाफ भी कार्यवाही होगी।

आज यहां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह द्वारा पुलिस कार्यालय देहरादून में जनपद देहरादून के समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों के साथ मासिक अपराध गोष्ठी की गई। गोष्ठी के दौरान एसएसपी द्वारा अपराधों की समीक्षा के साथ-साथ उपस्थित अधिकारियों को स्मार्ट पुलिसिंग के गुर सिखाते हुए अपराधों के अनावरण में आधुनिक तकनीकों व साफ्टवेयरों का अधिक से अधिक इस्तेमाल करने पर जोर दिया गया। इस दौरान एसएसपी द्वारा उपस्थित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये गये। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में हाइटेक होते अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु हमेशा उनसे एक कदम आगे रहना पुलिस विभाग की अनिवार्यता बन गया है। इसके लिये अपराधों के खुलासे में परम्परागत तरीकों के साथ-साथ नवीनतम आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल आवश्यक हो गया है। सभी थाना प्रभारी यह सुनिश्चित करें कि अपराधों के अनावरण हेतु स्मार्ट टेक्नोलॉजी का अधिक इस्तेमाल सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा लांच किये क्राईमेक पोर्टल के समबन्ध में जानकारी दी गयी, जिसमें किसी भी क्षेत्र में घटित अपराध की सूचना अपलोड करने पर उक्त अपराध की जानकारी को आस-पास के क्षेत्रो व अन्य राज्यों से तत्काल साझा किया जा सकता है, साथ ही उक्त अपराध की प्रवृत्ति से मिलते जुलते अपराधों व उसमें लिप्त अपराधियो के सम्बन्ध में अन्य जनपदो/राज्यो की पुलिस से समन्वय स्थापित करते हुए अपराध के अनावरण में तत्काल सहायता प्राप्त की जा सके। सभी थाना प्रभारी अपने थाना क्षेत्र में घटित अपराधो का विवरण पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड करना सुनिश्चित करें, जिससे किसी भी अपराध के घटित होने पर तत्कालिक रूप से आस पास के थानाक्षेत्रों व सीमावर्ती जनपदों/राज्यों में अलर्ट किया जा सके। उन्होंने कहा कि सम्पत्ति सम्बन्धी अपराधों की थानावार समीक्षा के दौरान सभी थाना प्रभारियों को कडे निर्देश दिये गये कि धोखाधडी से सम्बन्धित अभियोगों को अनावश्यक रूप से लम्बित रखने पर विवेचक के साथ थाना प्रभारी की जवाबदेही तय होगी।

व्हाटसएप पर बंदूक की फोटो भेजकर मांगी रंगदारी

देहरादून। व्हटसएप पर तमंचे व बंदूक की फोटो भेजकर रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हरिपुर कलां निवासी दिनेश कुमार ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि कोई अज्ञात व्यक्ति सितम्बर 2023 के प्रथम सप्ताह से मोबाइल नम्बर से उसके मोबाइल नम्बर पर व्हाट्एप पर देसी तमंचे/ बन्दूक की फोटो भेज कर रूपयों की अवैध मांग कर रहा है उसके बात न मानने पर नुकसानदायक अंजाम भुगतने को कह रहा है जिससे वह मानसिक रूप से बहुत पीडित है।पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र गगन प्रीत सिंह, पुत्र वधु मनप्रीत कौर व पोता हरमनदीप सिंह मेरे कहने सुनने में नहीं है। मैने अपने पुत्र, पुत्र वधु व पोते को अपनी चल अचल सम्पत्ति से आज बेदखल कर दिया है। यदि मेरा पुत्र, पुत्र वधु भविष्य में किसी भी व्यक्ति से किसी भी प्रकार का लेन देन या गलत कृत्य करते है तो इसमें उनकी स्वयं की जिम्मेदारी होगी।

गुरदीप सिंह पुत्र दर्शन सिंह निवासी-म.न.-२०, अखाड़ा मोहल्ला, जिला देहरादून

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।